इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक

स्रोत: पी.आई.बी.

बैंकिंग सेवाओं के क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी बदलाव करते हुए **इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक** ने अपने लाभ का सिलसिला जारी रखा है, यह इसके स्थायी वित्तीय समावेशन और नागरिक सशक्तीकरण के प्रति दृढ़ समर्पण को दर्शाता है।

- इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने **वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 20.16 करोड़ रुपए का परिचालन लाभ और कुल राजस्व में 66.12 प्रतिशत की वृद्धि कर असाधारण उपलब्धि हासिल की**, यह बैंक के लिये ज़बरदस्त प्रगति का वर्ष रहा।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक:

- **परिचय:**
  - भारत सरकार के स्वामित्व वाली 100% इक्विटी के साथ इसे **1 सितंबर, 2018** को लॉन्च किया गया।
  - इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने आरंभिक शाखाओं के शुभारंभ के साथ एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत की।
    - **इसकी आरंभिक शाखाएँ राँची, झारखंड और रायपुर, छत्तीसगढ़** में खोली गईं।
  - **1,55,000 डाकघर और 3,00,000 डाक कर्मचारियों** के साथ भारत का विशाल डाक बुनियादी ढाँचा इसमें अहम भूमिका निभाता है।
- **उद्देश्य: सभी नागरिकों के लिये सुलभ, किफायती और विश्वसनीय बैंक की उपलब्धता सुनिश्चित कराना।**
- **सिद्धांत और दृष्टिकोण:**
  - इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक अपने परिचालन के लिये **इंडिया स्टैक** के सिद्धांतों को अपनाता है।
    - **पेपरलेस, कैशलेस और उपस्थिति-रहित बैंकिंग:** इसका उद्देश्य नवीन प्रौद्योगिकी एवं सुरक्षित लेन-देन के माध्यम से बैंकिंग की सुविधा प्रदान करना है।
  - यह निर्बाध लेन-देन के लिये बायोमेट्रिक्स एकीकृत स्मार्टफोन और बायोमेट्रिक डिवाइस की व्यवस्था सुनिश्चित करता है।
  - इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक 13 भाषाओं में उपलब्ध सहज इंटरफेस के माध्यम से सरल और किफायती बैंकिंग समाधान प्रदान करता है।
- **वित्तीय समावेशन को सशक्त बनाना:**
  - इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक **बैंकिंग सुविधाओं से वंचित और बैंकिंग सुविधाओं** तक कम पहुँच वाले लोगों की सेवा के लिये प्रतिबद्ध है।
  - **इसने कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था** और **डिजिटल इंडिया** के दृष्टिकोण में योगदान दिया है।
  - **वित्तीय सुरक्षा और सशक्तीकरण के लिये समान अवसर** सुनिश्चित किये गए हैं।
- **सशक्तीकरण पहल:**
  - **डाकिया/ग्रामीण डाक सेवकों** के अथक योगदान को मान्यता दी गई है।
  - महिला लाभार्थियों को सशक्त बनाने के लिये **'निश्चिक दीदी'** पहल की शुरुआत की गई।
  - **इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने** ई-श्रम पोर्टल **पर पंजीकृत श्रमयोगियों के लिये ऋण रेफरल सेवाएँ, कम लागत वाले स्वास्थ्य और आकस्मिक उत्पाद जैसे- अंत्योदय श्रमिक सुरक्षा योजना, पेंशनभोगियों के लिये** डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र, **आधार-मोबाइल अपडेट, बाल आधार नामांकन,** आधार आधारित बैंकिंग लेन-देन **(AePS) जैसी नागरिक सेवाएँ शुरू कीं जो सरकार की पहलों-** प्रत्यक्ष लाभ अंतरण कार्यक्रम, पीएम किसान **आदि तक नागरिकों की पहुँच को सक्षम बनाती है।**
- **भविष्य के लक्ष्य:**
  - इसका लक्ष्य **एक सार्वभौमिक सेवा मंच के रूप में परिवर्तित होना है।**
  - विस्तारित पहुँच के लिये प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना।
  - **नागरिकों को सशक्त बनाने और डिजिटल रूप से समावेशी समाज में योगदान करने के लिये** नवाचार पर ध्यान केंद्रित करना।

पेमेंट बैंक:

- **पेमेंट बैंक विभिन्न बैंकिंग लाइसेंस प्रदान करने की** भारतीय रिज़र्व बैंक **(Reserve Bank of India) की रणनीति का हिस्सा थे।**
- डॉ. नचिकेत मोर की अध्यक्षता वाली एक समिति ने निम्न आय वर्ग और छोटे व्यवसायों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये 'पेमेंट्स बैंक' स्थापित करने की सिफारिश की।
  - पेमेंट बैंक एक विभिन्न बैंक है, जो उत्पादों की सीमित शृंखला पेश करता है।
- यह केवल **बचत और चालू खातों में मांग जमा** स्वीकार कर सकता है, **सावधि जमा नहीं।**

- प्रत्येक ग्राहक पेमेंट्स बैंक खाते में अधिकतम 2,00,000 रुपए की शेष राशि रख सकता है।
    - **पेमेंट्स बैंक** अनिवासी भारतीय **(Non-Resident Indian-NRI) जमा स्वीकार नहीं कर सकते।**
- पेमेंट्स बैंक **गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवा गतिविधियाँ शुरू करने के लिये सहायक कंपनियाँ** स्थापित नहीं कर सकते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-post-payments-bank-1